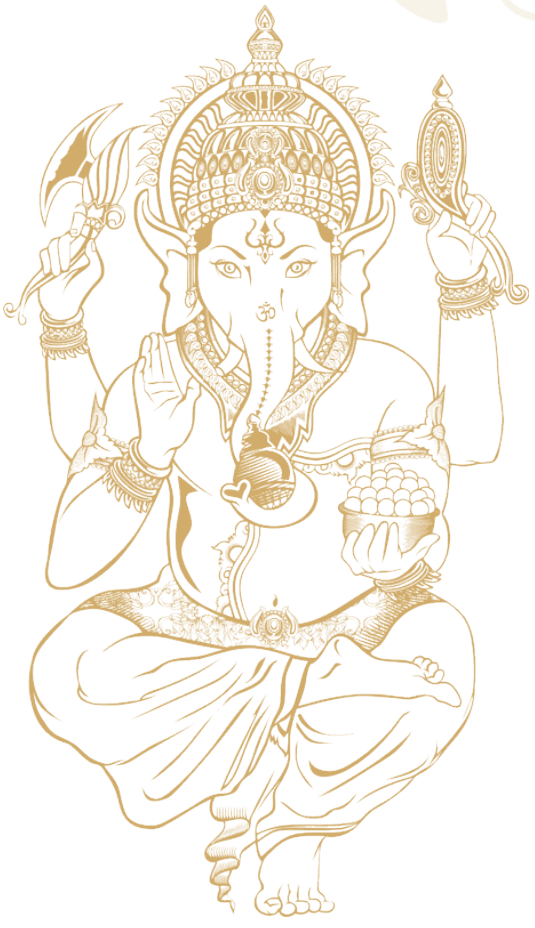

Naresh Rani

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121324102

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
19/02/1996	जन्म तिथि	19/02/1997
सोमवार	दिन	बुधवार
घंटे 07:07:00	जन्म समय	07:07:00 घंटे
घटी 00:24:49	जन्म समय(घटी)	00:26:31 घटी
India	देश	India
Delhi	स्थान	Delhi
28:39:00 उत्तर	अक्षांश	28:39:00 उत्तर
77:13:00 पूर्व	रेखांश	77:13:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:21:08	स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:57:04	सूर्योदय	06:56:23
18:13:24	सूर्यास्त	18:13:56
23:48:18	चित्रपक्षीय अयनांश	23:49:03

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
राहु 17वर्ष 5मा 0दि		07:56:41	कुंभ	लग्न	कुंभ	08:55:52	गुरु 3वर्ष 10मा 24दि	
गुरु		05:53:02	कुंभ	सूर्य	कुंभ	06:38:04	बुध	
20/07/2013		07:05:55	कुंभ	चंद्र	कर्क	00:05:03	14/01/2020	
20/07/2029		09:01:19	कुंभ	मंगल व	कन्या	11:00:56	13/01/2037	
गुरु	08/09/2015	10:56:33	मक	बुध	मक	21:04:00	बुध	11/06/2022
शनि	21/03/2018	16:00:32	धनु	गुरु	मक	12:46:51	केतु	09/06/2023
बुध	26/06/2020	17:53:58	मीन	शुक्र	मक	26:03:34	शुक्र	08/04/2026
केतु	02/06/2021	00:17:39	मीन	शनि	मीन	11:37:54	सूर्य	13/02/2027
शुक्र	01/02/2024	24:18:59	कन्या व	राहु व	कन्या	05:12:31	चन्द्र	14/07/2028
सूर्य	19/11/2024	24:18:59	मीन व	केतु व	मीन	05:12:31	मंगल	12/07/2029
चन्द्र	21/03/2026	08:22:09	मक	हर्ष	मक	12:16:19	राहु	29/01/2032
मंगल	25/02/2027	02:40:31	मक	नेप	मक	04:49:05	गुरु	06/05/2034
राहु	20/07/2029	09:14:14	वृश्चि	प्लूटो	वृश्चि	11:41:44	शनि	13/01/2037

लग्न-चलित

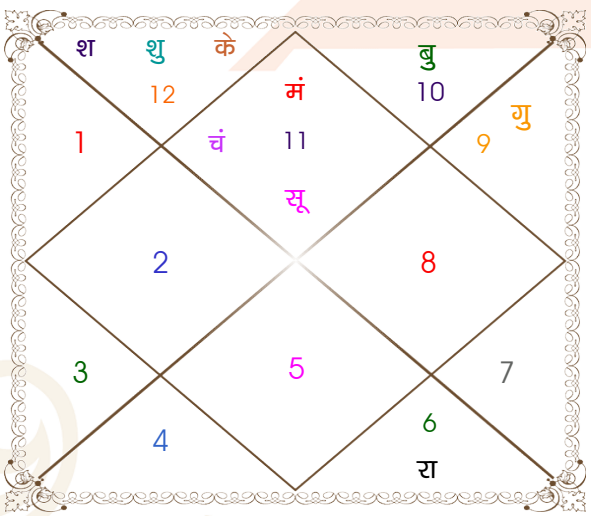

लग्न-चलित

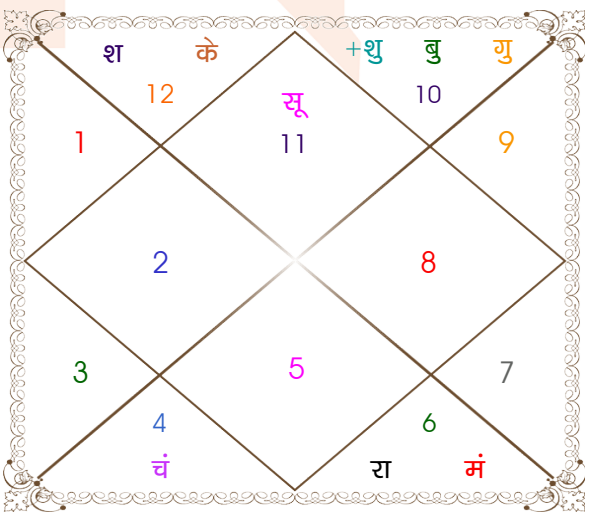

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	शूद्र	विप्र	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	जलचर	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	अतिमित्र	सम्पत	3	3.00	--	भाग्य
योनि	अश्व	मार्जार	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	शनि	चन्द्र	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	देव	6	1.00	--	सामाजिकता
भकूट	कुम्भ	कर्क	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	आद्य	8	0.00	हाँ	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	7.50		

भकूट दोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता नहीं है।

Naresh का वर्ग मार्जार है तथा त्ंदप का वर्ग मेष है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Naresh और त्ंदप का मिलान ठीक नहीं है।

मंगलीक दोष मिलान

Naresh मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में प्रथम भाव में स्थित है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं चन्द्र Naresh कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

त्ंदप मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं राहु त्ंदप कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

शनिभौमोऽथवा कश्चित् पापो वा तादृशो भवेत्।
तेष्वेव भवनेष्वेव भौमदोषविनाशकृत्।।

यदि एक की कुंडली में जहां मंगल हो उन्हीं स्थानों पर दूसरे की कुंडली में प्रबल पाप ग्रह (राहु या शनि) हों तो मंगलीक दोष कट जाता है।

क्योंकि राहु Naresh कि कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Naresh तथा त्ंदप में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

मिलान ठीक नहीं है क्योंकि अष्टकूट गुण नहीं मिलते हैं।